नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

ध्रुपद महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, वर्धा का आयोजन

देशभर से आए कलाकारों की कलाओं से वर्धा नगरी हुई सराबोर

वर्धा, 25 अक्तूबर 2016: संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, महात्मा गांधी

अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा तथा दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, सावंगी, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में वर्धा में आयोजित तीन दिवसीय (23, 24 एवं 25) भव्य ध्रुपद महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को देशभर से आए विभिन्न कलाकारों ने अपनी कलाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मुग्ध किया। सोमवार, 24 अक्तूबर को सायं 6.00 बजे से डालचंद शर्मा, दिल्ली का पखावज़ वादन, राधा गोविंद दास, दिल्ली का ध्रुपद गायन तथा बहाउद्दीन डागर, मुंबई का रूद्र वीणा वादन आदि प्रस्तुतियां हुईं।

सुबह 10.00 बजे से व्याख्यान एवं वाद्य प्रस्तुतियों का अलग कार्यक्रम हुआ, जिसमें भाई बलदीप सिंह, दिल्ली का

भक्ति मार्ग, सुफी और गुरू-शिख पंथ में ध्रुपद रबाब पर व्याख्यान सम्पन्न हुआ। पुणे के माणिक मुंडे और सुखद मुंडे ने पखावज़ वादन किया तथा इलाहाबाद के प्रेम कुमार मलिक, प्रशांत और निशांत मलिक दरभंगा घराना के संदर्भ में पखावज़ पर अपनी बात रखी और अलग-अलग प्रस्तुतियां भी दी। मंगलवार को सुबह के सत्र में पुणे के हिंदराज दिवेकर ने रूद्र वीणा पर, दिल्ली के हरीश चंद्रपति छंद प्रबंध के संदर्भ में पखावज़ पर अपनी बात रखी।

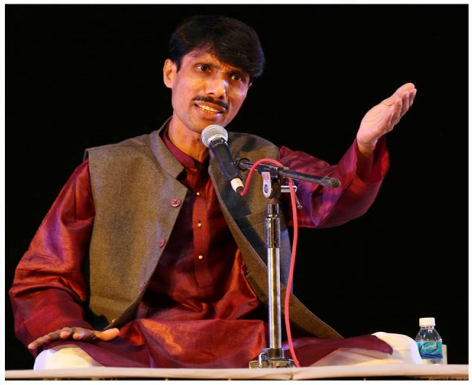

पुणे के उदय भावलकर ने ध्रुपद एक विचार पर ध्रुपद गायन किया तथा विचार भी रखे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, देशभर से आए कलाकारों के साथ, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. अप्रमेय मिश्र, डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, राजेश लेहकपुरे, बी. एस. मिरगे, देवेंद्र गुजरकर, डॉ. अश्विनी कुमार, सुरभि विप्लव, राजदीप राठोड़, डॉ. विश्वकर्मा सहित विद्यार्थी एवं गीत एवं गायन प्रेमी श्रोता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ध्रुपद महोत्सवात विविध कलाकारांचे वादन, गायन

संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विद्यापीठ यांचे संयुक्त आयोजन

वर्धा, 25 ऑक्टोबर 2016: संगीत नाटक अकादमी, संस्कृती मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा आणि दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विद्यापीठ, सावंगी, वर्धा यांच्या संयुक्त विद्यमाने दत्ता मेघे सभागृहात सोमवारी (ता. 24) विविध कलाकारांनी ध्रुपद गायन आणि विविध प्रकारच्या वाद्य वादनाच्या सादरीकरणाने श्रोत्यांना मंत्रमुग्ध केले.

तीन दिवसीय भव्य ध्रुपद महोत्सवाच्या दुस-या दिवसी सोमवारी सायंकाळी 6.00 वा. डालचंद शर्मा, दिल्ली यांचे पखावज वादन, राधा गोविंद दास, दिल्ली यांचे ध्रुपद गायन तसेच जगप्रसिद्ध वीणा वादक बहाउद्दीन डागर, मुंबई यांचे रूद्र वीणा वादन पार पडले. यावेळी श्रोत्यांनी त्यांच्या गायन आणि वादनाला भरपूर दाद दिली.

सोमवारी सकाळच्या सत्रात भाई बलदेव सिंह, दिल्ली यांचे भक्ती मार्ग, सुफी आणि गुरू-शिख पंथात ध्रुपद रबाब यावर विशेष व्याख्यान झाले. पुणे येथील माणिक मुंडे व सुखद मुंडे यांनी पखावज वादन सादर केले तर अलाहाबादचे प्रेम कुमार मलिक, प्रशांत आणि निशांत मलिक यांनी दरभंगा घराना संदर्भात पखावजवर संगीत प्रेमी रसिकांना मार्गदर्शन केले. 25 ला सकाळी पुणे येथील हिंदराज दिवेकर यांनी रूद्र वीणा वर, दिल्लीचे

हरीश चंद्रपती यांनी छंद प्रबंध संदर्भात पखावज यावर चर्चा केली तसेच वाद्यांचे सादरीकरणही केले. यावेळी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, डॉ. अप्रमेय मिश्र, बी. एस. मिरगे, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, राजेश लेहकपुरे, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. राजानुज अस्थाना, डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, सुरभि विप्लव, राजदीप राठोड यांच्यासह विद्यार्थी आणि वर्धेकर नागरिक मोठया संख्येने हजर होते.